बी.ए.भाग–एक
शिक्षाशास्त्र प्रथम प्रश्न पत्र
(शिक्षा एवं समाज)

Course Code:4.010

उद्देश्य:

इस प्रश्न पत्र के शिक्षा के अर्थ, उद्देश्य, एवम् शिक्षा के साधन से अवगत होगी।

परिणाम:

छात्राये शिक्षा और संस्कृति तथा शिक्षा व धर्म के बीच सम्बन्धो से अवगत हुयी।
शिक्षा के अर्न्तगत पाठ्यक्रम के उद्देश्य एवं पाठ्यक्रम निर्माण के सिद्वन्त से सम्बन्धित ज्ञान प्राप्त की।
छात्राये समाज मे होने वाले सामाजिक प्रभाव से परिर्वतन एवं शिक्षा पर पडने वाले यामाजिक प्रभाव से अवगत हुई।
छात्राये स्वतन्त्रता एवं अनुशासन के अर्थ एवं उनका शिक्षा से स्मबन्ध से अवगत हुई। इसके अतिरिक्त उनमे राष्ट्रीय एकीकरण एवं अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव के लिए शिक्षा की भावना का विकास हुआ।

मूल्यांकन: प्रस्तुत प्रथम प्रश्न पत्र के द्वारा छात्रओ को शिक्षा के विभिन्न सिद्धान्त से अवगत कराया गया।

गृहर्काय का मूल्यांकन हेतु प्रयोग किया गया।

पाठ्यक्रम अवधि:

सन्दर्भ ग्रन्थ:

1.गुप्त लक्ष्मीनारायण एवं मदन–गोपालः शिक्षा के सिद्धान्त एवं आधार कैलाश प्रकाशन,इलाहाबाद
2.पाण्डेय,राम सकल:शिक्षा के मूल सिद्धान्त
3.पाठक एवं त्यागी:शिक्षा के सिद्धन्त
4.राम बाबू गुप्तः शिक्षा के लात्विक सिद्धान्त
5.चाबे सरयू प्रसाद एवं चौबे,अखिलेशः शिक्षा सिद्धान्त
6.अग्रवाल सन्ध्या, शिक्षा के सिद्धान्त

बी. ए. भाग एक

शिक्षाशास्त्र द्वितीय प्रश्न - पत्र

(शिक्षा एंव मानव विकाश)

Course Code:4.020

उद्देश्य : इस प्रश्न पत्र के द्वारा छात्राओं को मनो विज्ञान से सम्बन्धित विभिन्न पक्षो से अवगत कराना एवम् शिक्षा से उनका संम्बन्घ स्पष्ट कराना।

परिणामः 1. शिक्षा मनोविज्ञान के अर्थ तथा शिक्षा मनोविज्ञान के विभिन्न विधियो से परिचय हुई।
2. छात्रायें विकास के विभिन्न अवस्थाओं मे होने वाले परिवर्तनो से अवगत हुई ।
3. सीखने की विभिन्न विधियों, सिद्धान्तों एवं शिक्षा में इन सिद्धान्तों के महत्व व उपयोग की जनकारी प्राप्त की।
4.व्यक्तित्व के अर्थ एवं व्यक्तित्व को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारणो से अवगत हुयी।
5. बुद्धी के अर्थ एवं सिद्धान्तों तथा इन सिद्धान्ता का शिक्षा में क्या महत्व है से परिचय हुयी।

मूल्यांकनः इस प्रश्न पत्र के द्वारा छात्रायों शिक्षा मनोविज्ञान से सम्बन्धित विभिन्न विषयो से लाभान्वित होंगी।
प्रश्न – उत्तर विधि द्वारा छायों का मूल्यांकन किया।

पाठ्यक्रम अवधिः

सन्दभ पुस्तकेः

चौणे एस एवं चौणे एः शिक्षा मनोविज्ञान के तच्व
वाला, बाजपेयी एवं शुक्लः शिक्षा मनोविज्ञान
सिंह, अरूण कुमारः सामान्य मनोविज्ञान
भटनागर, मालतीः मनोविज्ञान
सारस्वत, मालतीः शिक्षा मनोविज्ञान
सिंह ओ.पीः बालविकास
अग्रवाल सन्ध्याः शिक्षा मनोविज्ञान

बी.ए. भाग – दो

शिक्षाशास्त्र प्रथम प्रश्न– पत्र

(भारत मे शिक्षा का विकास)

Course Code:4.040

उद्देश्यः भारत मे शिक्षा का विकास के अर्न्तगत के भारतीय शिक्षा के इतिहास से अवगत कराना।

परिणमः 1. छात्रायें प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय शिक्षा की जानकारी प्राप्त की।
2. ब्रिटिश कालीन शिक्षा के विभिन्न अभिलेसों से परिचित हुयीं।
3. स्वतन्त्रता प्राप्ति के पश्चात् शिक्षा के विकास हेतु गठित विभिन्न शिक्षा आयोगों की संस्तुतियों से अवगत हुईं।
4. भारत में प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, व उच्च शिक्षा से सम्बन्धित समस्याओं एवं उनका समाधान कैसे किया जाय, इस तथ्य से अवगत हुयी।

मूल्यांकन इस प्रश्न– पत्र के द्वारा छात्रायें स्वतन्त्रता प्राप्ति के पूर्व एवं पश्चात् शिक्षा के इतिहास व विकास से अवगत हुयीं। class test काभी प्रयोग किया गया।

पाठ्यक्रम अवधिः

सन्दर्भ ग्रन्थः

अलरेकर ए एसः प्रचीन भारत में शिक्षा
पाठक एवं त्यगीः भारतीय शिक्षा का इतिहास
पाठक एवं जौहरीः भारतीय शिक्षा का इतिहास
एस. पी. गुप्ताः भारतीय शिक्षा का इतिहास

बी.ए भाग–दो
शिक्षाशास्त्र द्वितीय प्रश्न पत्र
(शिक्षा में आधुनिक प्रवृतियॉ)

Course Code:4.050

उद्‌देश्यः

शिक्षा से सम्बन्धित विभिन्न समस्याओ एवं उन समस्याओ को दूर करने के लिए वर्तमान समय में विभिन्न शैक्षिक आधुनिक प्रवृत्तियो का छात्राओ द्वारा अध्ययन करना।

परिणामः1. शिक्षा में आधुनिक प्रवृत्तियो के अर्थ उद्‌देश्य आवश्यकता एवं वर्तमान समय मे उन प्रवृत्तियो की प्रासंगिकता से अवगत हुयी।

2. विभिन्न प्रवृत्ति जैसे– सतत्‌ शिक्षा, पर्यावरणीय शिक्षा एवं जनसंख्या शिक्षा के अर्थ, उद्‌देश्य एवं समस्याओं के समाधन हेतु विभिन्न शैक्षिक कर्यकम से अवगत हुई।

3. दूरस्थ – शिक्षा, मूल्य शिक्षा का भूमण्डलीयकरण आदि विभिन्न तथ्यों जनकारी प्राप्त की।

मूल्यांकन

शिक्षा के उत्तरोत्तर विकास में विभिन्न आधुनिक प्रवृत्तियों से छात्राओं के ज्ञानात्मक पक्ष का विकास हुआ।

वर्तलाप डाटा भी छात्राओं का मुल्यांकन किया गया।

पाठ्‌यक्रम अवधिः

सन्दर्भ पुस्तकः

एल के ओडः शिक्षा के नूतन आयाय
शर्मा आर एः शिक्षा तकनीक
श्री वास्तव शंकरशरणः शिक्षा मे नवाचार एवं नवीन आधुनिक प्रबृत्तियॉ
भिलबर्ट एमः एजुकेशन टेकनालाजी
यूनिवर्सिटी आफ हाल इन्स्ट्रीट्‌युट आफ एजुकेशन

बी.ए. भाग तीन
शिक्षाशास्त्र प्रथम प्रश्न पत्र
(शैक्षिक मुल्यांकन एवं सांरिव्यकी)

Course Code:4.070

उद्देश्यः

प्रस्तुत प्रश्न पत्र के द्वारा छात्राओं का ज्ञानात्यमक एवं कियात्यक पक्ष का विकास करना।

परिणमः

शिक्षा मे मापन एवं मूल्यांकन के अर्थ, उद्देश्य एवं मापन के विभिन्न उपकरणों से सम्बन्धित छात्राएं शान प्राप्त की।
परीक्षा प्रणली के विभिन्न उद्देश्य, प्रकार एवं परीक्षा प्रणाली के विभिन्न दोषों को दूर करने के लिये गेडिन सेमेस्टर, प्रश्नबैंक आदि की जानकारी प्राप्त की।
शिक्षा में साख्यिकी का अर्थ, उद्देश्य एवं केन्द्रिय प्रवृति के विभिन्न मापो के ज्ञान से परिचित हुई।
सहसम्बन्ध का अर्थ एवं उसके विभिन्न विधियो की जानकारी प्राप्त की।
छात्राएं सामान्य सम्भाव्यता वितरण क्क् की विशेषताओं एवं शिक्षा मे उनकी उपयोगिता से परिचित हुई।

मुल्यांकनः छात्राएं शिक्षा मे प्रयोग की जान वाली सांख्यिकी इत्यादि मे परिक्षा हुई। गृहदन्त कार्य द्वारा भी छात्राओं का मुल्यांकन किया गया।

पाठ्यक्रम अवधिः

सन्दर्भ पुस्तकेः

अग्रवाल एवं अस्थानाः शिक्षा मे मापन, मूल्यांकन एवं शिक्षा में मूल्यांकन
गुप्ता एस. पीः शिक्षा में मापन, मुल्यांकन एवं सारिक शम
भार्गव महेशः आधुनिक मनाोविज्ञान परीक्षण एवं मापन
गैटेट एचः शिक्षा और मनोविज्ञान में सारिबाकी के प्रयोग
गिलफोर्ड जे.पी. साइको मेथहस फण्डामेन्टल स्टैटिस्टिज्स इन साइकोलौलो स्वड एजुकेशन.

बी.ए. तृतीय– वर्ष
शिक्षाशास्त्र द्वितीय प्रश्न–पत्र
(शैक्षिक तकनीकी)

Course Code:4.080

उद्देश्य:

इस प्रश्न–पत्र के द्वारा शिक्षा में प्रयोग की जाने वाली परम्परागत विधियों व उपकरणों के साथ आधुनिक शैक्षिक ताकनीकी उपकरणों के बारे में भी जानकारी प्रदाान करना।

परिणाम:

शिक्षा में शैक्षिक तकनीकी से सम्बन्धित ऐतिहासिक पृष्ठभुमि की जानकारी प्राप्त की
शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न उपागमो एवं उनसे सम्बन्धित विभिन्न प्रणाली से अवगत हुई।
शिक्षण प्रकिया को सरल बनाने के लिए विभिन्न श्रव्य–दृश्य– साधनो व आधुनिक शैक्षिक उपकरणों के बारे में जानकारी प्राप्त की।
शिक्षण की अवस्थायें शिक्षण के विभिन्न स्तर तथा सूक्ष्म शिक्षण से सम्बन्धित ज्ञान अर्जित की।

मुल्यांकन:

इस प्रश्न–पत्र के द्वारा वर्तमान समय में शिक्षा में प्रयुक्त विभिन्न शैक्षिक तकनीकी का ज्ञान प्राप्ती की।
class test के छात्राओं का मुल्यांकन किया गया।

पाठ्यक्रम अवधि:

सन्दर्भ ग्रन्थ:

ओड एल के: शिक्षक के नूतन आयाम

शर्मा आर ए: शिक्षा तकनीकी

श्री वास्तव: शंकर शरण: शिक्षा में नवाचार एवं आधुनिक प्रवृत्तियॉ

ब्लूक्स वी. एस: टेक्नोलॉजी आफ एजुकेशनल आवजेक्टिक कागनीटिक डोमेन बुक में की न्युयकि

स्मिध बी.ओ: दूवर्डस ए क्षिअरी आफ शचिंग 1477

बी.ए. तृतीय–वर्ष
शिक्षकशास्त्र–तृतीय प्रश्न–पत्र
(शिक्षा दर्शन एवं शिक्षा दर्शनिक)

Course Code:4.090

उद्देश्यः

सम्बन्धित प्रश्न –पत्र के द्वारा छात्रायें शिक्षा और दर्शन का अर्थ, सम्बन्ध, एवं विभिन्न पाश्चात्य एवं भारतीय दर्शनिकों के शैक्षिक विचारों से अवगत

परिणामः

1. छात्रायें शिक्षा व दर्शन का अर्थ, सम्बन्ध, एवं भारतीय दर्शन की विभिन्न विचारधाराओं का शिक्षा पर प्रभाव के विषय में ज्ञान अर्जित की।
2. शिक्षा के विभिन्न सम्प्रदाओं के विभिन्न व प्रमुख सिद्धान्त व उनके अनुसार शिक्षा का अर्थ, उद्देश्य, पाठ्यकम आदि के विषय में जानकारी प्राप्त की।
3. विभिन्न पाश्चात्य व भारतीय शिक्षाशस्त्रियो व दार्शनिको के शैक्षिक विचारों के बारे में ज्ञान प्राप्त की।

मुल्यांकन

इस प्रश्न–पत्र के द्वारा छात्राओं ने भारतीयो व पाश्चात्य दर्शन तथा इनकें सम्बन्धित दार्शनिक व शैक्षिक विचारों से अवगत हुई।
गृहदत्त कार्य, नार्तालाप द्वारा भी छात्राओं का मूल्यांकन किया गया।

पाठ्यक्रम अवधिः

सन्दर्भ ग्रन्थः

पाण्डेय रामसकलः महान पश्चिमी शिक्षा शास्त्री

पाण्डेय रामसकलः विश्व के श्रेष्ठ शिसाशास्त्री

रामबाबु गुप्तः महान पाश्चात्य शिक्षा शास्त्री

रामबाबु गुप्तः पाश्चात्य एवं भारतीय शिसाशास्त्री

गुप्त लक्ष्मी नारायणः महान पाश्चात्य एवं भारतीय शिक्षाशास्त्री

चौवे सरयूप्रसादः समफाण्डेशन आफ एजुकेशन एण्ड ग्रेट बेस्टर्न एजुकेटर्स